

चौकिस

26

लोक शिक्षण संचालनालय
मध्य प्रदेश

ई-मेल - physicaldpi@mp.gov.in

क्रमांक/शा.शि/एस/08/12/231
प्रति

भोपाल, दिनांक 5/जुलाई 2012

1. समस्त संयुक्त संचालक
2. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी

विषय दिनांक 21.05.2012 को राज्य स्तरीय खेल बैठक में लिये गये निर्णयों पर कार्यवाही विषयक।

दिनांक 22.05.2012 को राज्य स्तरीय खेल बैठक आयोजित की गई थी, वर्ष 2012-2013 खेल सत्र हेतु खिलाड़ियों एवं ऑफिशियल्स के हितों का ध्यान रखते हुये महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। लिये गये निर्णयों के संबंध में निम्नलिखित निर्देश पालन हेतु प्रसारित किये जा रहे हैं :-

- 1/ राज्य के शालेय खेलों को संभाग एवं राज्य स्तर पर आयोजन, भोपाल, रेल्वे आरक्षण, चयन प्रक्रिया, अम्पाइरिंग, रैफरशिप एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित और परिणाम मूलक बनाने के लिये प्रतियोगिताओं का सतत निरीक्षण और पर्यवेक्षण किया जाना आवश्यक है। संचालनालय से जारी खेल निर्देशों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं इसके लिये जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जिला क्रीडा अधिकारी अथवा खेल तकनीकी कर्मचारी/अधिकारी संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक (खेल) अथवा समकक्ष खेल तकनीकी कर्मचारी तथा संचालनालय स्तर से नियुक्त अधिकारी, उत्कृष्ट खिलाड़ी कर्मचारी/खेलों की जानकारी रखने वाले कर्मचारियों को निरीक्षण समिति में नियुक्त किया जायेगा। समिति का कार्य संभागीय एवं राज्य स्तर प्रतियोगिताओं का पर्यवेक्षण/निरीक्षण कार्य करते हुये यथोचित कार्यवाही करेगी तथा आवश्यक होने पर वरिष्ठ कार्यालय को कार्यवाही हेतु प्रस्तावित करेगा।
- 2/ राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता के सफल एवं निष्पक्ष संचालन के लिये संचालनालय से पूर्व वर्षों के अनुरूप स्टेट ऑफिशियल्स नियुक्ति किये जायेंगे, नियुक्त स्टेट ऑफिशियल्स को प्रतियोगिता स्थल पर अपनी उपस्थिति एक दिन पूर्व अनिवार्य रूप से देनी होगी। स्टेट ऑफिशियल्स का उपयोग आयोजन में सहयोग, अम्पाइरिंग, चयनकर्ता, मैच पर्यवेक्षक, अनुशासन व्यवस्था एवं अन्य कार्यों के संपादन हेतु किया जायेगा।
 - राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता में चयनकर्ता संचालनालय से नियुक्त स्टेट ऑफिशियल्स पैगल से ही बनाये जायेंगे।
 - एक आयु वर्ग के लिये संभाग से अधिकतम एक ही चयनकर्ता नियुक्त किया जायेगा।
 - संभागीय दल प्रबंधक नियुक्त करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे कि नियुक्त प्रबंधक शारीरिक शिक्षा स्तर का हो और वरिष्ठता के आधार पर नियुक्त किया जावे।
 - एक ही अधिकारी/कर्मचारी की एक सत्र में दल प्रबंधक के रूप में अधिकतम दो बार से अधिक नियुक्त नहीं किया जावे।
 - राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले दल के कोच की नियुक्ति पूर्व से ही संचालनालय से की जावेगी जिससे संभाग स्तर से ही पर्यवेक्षण संबंधी कार्य कर सकेगा और खिलाड़ियों के साथ समन्वय स्थापित कर सकेगा। कोच चयन समिति का सदस्य भी होगा।
 - चयन समिति में एक चयनकर्ता आदिवासी विकास विभाग से एक चयनकर्ता तटस्थ रूप से (साई/खेल कूद विभाग/एन.आई.एस./वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय

खिलाडी अन्य विभाग में पदस्थ खेल विशेषज्ञ) एक चयनकर्ता जिसको राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है समिति का सदस्य होगा शेष दो चयनकर्ता अन्य संभागों के नियुक्त किये जायेंगे।

- संभाग में राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता एवं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा के आयोजन के दौरान प्रारम्भ से समापन तक सहायक संचालक (खेल) अनिवार्य रूप से प्रतियोगिता स्थल में उपस्थित रहेंगे।
- 3/ म.प्र. शालेय दल का मुख्य दल प्रबंधक नियुक्त करने की कार्यवाही संचालनालय स्तर से तथा संभागीय दल प्रबंधक नियुक्त करने का कार्य संभागीय संयुक्त संचालक, कार्यालय से किया जायेगा।
- 4/ अधिकांश यह देख गया है कि विद्यार्थियों का पात्रता प्रमाण पत्र में चाही गई जानकारी अपूर्ण और स्पष्ट नहीं होती है जिसके कारण राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर खिलाड़ियों की ऑन लाईन एन्ट्री करने में कठिनाई होती है। इस संबंध में जिला स्तर से ही ऑन लाईन एन्ट्री करने संबंधी कार्यवाही संचालनालय स्तर से की जा रही है।
- 5/ जिले एवं संभागीय कार्यालयों में प्रतियोगिताओं संबंधी कार्य की अधिकता को देखते हुये यह आवश्यक है कि कार्यालयीन कार्य हेतु क्रीडा कक्ष में कम से कम दो लिपिक, एक कम्प्युटर ऑपरेटर तथा 01 भृत्य की व्यवस्था अनिवार्य रूप से व्यवस्था करते हुये, जिला शिक्षा अधिकारी एवं संभागीय संयुक्त संचालक पालन प्रतिवेदन संचालनालय को 10 दिवस में प्रेषित करेंगे।
- 6/ म.प्र.शासन स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के आदेश क्र. एफ 27-70/2010/बीस-2/ भोपाल दिनांक 12.07.10 के अनुसार हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं से ली जाने वाली क्रीडा शुल्क की दरे निम्नानुसार निर्धारित की है:-

| स.क्र. | कक्षा | पूर्व में ली जाने वाली शुल्क | नवीन निर्धारित शुल्क |
|--------|-----------------|------------------------------|----------------------|
| 1 | 9वीं एवं 10वीं | 30 रुपये प्रतिवर्ष | 60 रुपये प्रतिवर्ष |
| 2 | 11वीं एवं 12वीं | 50 रुपये प्रतिवर्ष | 100 रुपये प्रतिवर्ष |

उक्त राशि के उपयोग हेतु इसका वर्गीकरण निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है।

- शाला में एकत्रित कुल क्रीडा शुल्क की राशि का 45 प्रतिशत अंशदान राशि शालाओं में नियमित खेलकूद गतिविधियों के संचालन, आवश्यकतानुसार खेल सामग्री के क्रय तथा खेल मैदान के रख-रखाव आदि पर व्यय की जाए।
- शालाओं में एकत्रित कुल क्रीडा शुल्क की राशि का 40 प्रतिशत अंशदान राशि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में खेलकूद गतिविधियों के संचालन हेतु भेजी जाए।
- शालाओं में एकत्रित कुल क्रीडा शुल्क की राशि का 15 प्रतिशत अंशदान राशि संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण कार्यालय में खेलकूद गतिविधियों के संचालन हेतु भेजी जाए। उक्त आदेश का कड़ाई से पालन किया जावे।
- 7/ प्रायः यह प्रायः यह देखने में आता है कि अशासकीय शालाओं की वार्षिक क्रीडा शुल्क जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा नहीं कराई जाती है। जिसके कारण जिले, संभाग एवं राज्य स्तर पर वित्तीय अस्थिरता की स्थिति निर्मित होती है। इस संबंध में समस्त संयुक्त संचालक कार्यालयों को स्पष्ट निर्देश दिये जाते हैं कि जिन अशासकीय विद्यालयों द्वारा क्रीडा शुल्क जमा नहीं किया है ऐसे विद्यालयों के विद्यार्थी जिला एवं संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता नहीं कर सकेंगे। इस संबंध में जारी निर्देशों का पालन करने का पूर्ण उत्तरदायित्व जिला शिक्षा अधिकारी का होगा।
- 8/ संभागीय संयुक्त संचालक एवं जिला क्रीडा अधिकारी कार्यालयों में पदस्थ सहायक संचालक (खेल) एवं जिला क्रीडा एवं कल्याण निरीक्षकों को प्रतियोगिता अवधि/निरीक्षण एवं खेल पर्यवेक्षण कार्य हेतु तत्समय वाहन उपलब्ध कराई जावे।
- 9/ शालेय खेलों को मैदानी स्तर पर व्यवस्थित बनाने के लिये यह आवश्यक है कि विद्यार्थियों को अपने खेल को दिखाने प्रदर्शित करने का पर्याप्त अवसर मिले इसके लिये



यह आवश्यक है कि संभागीय क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता के अनुरूप "लीग कम नाकआउट" पद्धति से कराये जावे। समस्त टीम एवं व्यक्तिगत खेलों का आयोजन निर्देशानुसार हो इसका पूर्ण उत्तरदायित्व जिला क्रीडा अधिकारी एवं संभागीय सहायक संचालक (खेल) का होगा।

- 10/ जिले से राज्य स्तर के खेल कैलेण्डर बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये कि प्रतियोगिताओं के आयोजन में यथा संभव 15-20 दिवस का अंतर हो ओर साथ ही जिले स्तर पर इण्डोर खेलों का आयोजन अथवा जो खेल बारिश में आयोजित हो सकते हो उन्हें यथा संभव अगस्त माह में आयोजित करने की व्यवस्था करें। साथ ही जिले एवं सभाग का खेल कैलेण्डर बनाते समय जिला क्रीडा कल्याण निरीक्षक वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक एवं खेल तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग एवं परामर्श से उसे अंतिम रूप दिया जाये।
- 11/ शालेय शिक्षा विभाग शालेय खेलों का स्तर ओर बेहतर हो सके इसके लिये यह आवश्यक है कि किसी भी खिलाड़ी के साथ अन्याय न हो इस के लिये जिले/सभाग/राज्य स्तर पर प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन ट्राइल्स कराकर टीम चयन की प्रक्रिया को सम्पादित की जावे।
- 12/ जिला एवं सभाग स्तरीय प्रतियोगिताये लीग कम नाक आउट पद्धति से आयोजित की जायेगी। अतः यदि आवश्यक हो तो ही प्रतियोगिता की अवधि को, खेल के स्वरूप, मैदानों की उपलब्धता के आधार पर कम अथवा अधिक किया जा सकता है।
- 13/ राज्य शालेय खेलों में नवीन खेलों को सम्मिलित करने के लिये बैठक में उपस्थित समस्त सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से गाईड लाईन एवं निम्नानुसार निर्देशों पर सहमति प्रदान की है:-

गाईड लाईन

1. ऐसे खेलों को शालेय खेलों में सम्मिलित करने पर विचार किया जाये जो प्रदेश में लोकप्रिय ओर व्यापक रूप से खेला जा रहा हो।
2. स्कूल/संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिक से अधिक सहभागिता हो।
3. कम से कम स्थान, समय और कम लागत में खेला जा सके।

नियम निर्देश

1. स्टेट एसोसियेशन द्वारा शालेय खेलों में नवीन खेलों को सम्मिलित करने के लिये आयुक्त, लोक शिक्षण को निवेदन करेगा। तत्पश्चात संभागीय सयुक्त संचालक, कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक (खेल) द्वारा इस बात की पुष्टि एवं परीक्षण करते हुये उसके अधीनस्थ जिलों में यह खेल स्कूल/क्लब/अकादमी स्तर पर प्रचलित है अथवा नहीं तत्पश्चात अपनी अनुसंशा संचालनालय को प्रेषित करेगे।
 2. 09 संभागों में से 05 संभागों की सहमति अनुसंशा के पश्चात जिला स्तर से राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता में टीम को सम्मिलित कराने का उत्तरदायित्व संबंधित स्टेट एसोसियेशन एवं फेडरेशन का होगा।
 3. स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत तकनीकी ऑफिशियल्स को संबंधित खेल का तकनीकी/एम्पायरिंग/नियमों की जानकारी देने हेतु वर्कशाप/सेमीनार का आयोजन का पूर्ण उत्तरदायित्व एसोसियेशन का होगा।
 4. प्रतियोगिताओं के आयोजन में आवश्यकतानुसार विभाग को पूर्व सहयोग प्रदान करना होगा। उक्त गाईड लाईन एवं नियमों को मान्य करने की स्थिति में स्टेट एसोसियेशन द्वारा सहमति पत्र देना होगा।
- 14/ शालेय स्तर पर विद्यार्थियों से लिये जाने वाले क्रीडा शुल्क की राशि में से, जिला एवं सभाग स्तर पर अंशदान लिया जाता है। इस अंशदान की राशि का उपयोग खेलकूद गतिविधियों के आयोजन के अतिरिक्त अन्य विभागीय प्रशासकीय कार्यों पर भी किया जाता है जो कि वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। क्रीडा शुल्क के रूप में प्राप्त की जाने वाली राशि का उपयोग केवल खेल गतिविधियों से संबंधित प्रयोजनों पर ही किया जावे। यदि इसके विपरीत किसी अन्य प्रयोजन हेतु क्रीडा शुल्क की राशि व्यय की जाती है तो इसे वित्तीय अनियमितता



- मानकर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। वर्तमान स्थिति में क्रीडा शुल्क की स्थिति का मद वार विवरण 07 दिवस में संचालनालय को भेजे।
- 15 / स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को खेलों के साथ जोड़ने एवं शारीरिक, मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिये प्रारंभ विभागीय प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी भाग ले। जिसमें से श्रेष्ठ एवं जानकार खिलाड़ी कर्मचारियों का उपयोग शालेय खेलों में योग्यतानुसार किया जायेगा। विभागीय खेलों में वर्तमान में एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबाल, हॉकी, कबड्डी, बालीबाल, बेडमिन्टन, टेबिल टेनिस, बॉस्केटबॉल, शतरंज खेलों का सभावेश है जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी ही खेलने हेतु अधिकृत होंगे। प्रतियोगिताएँ पुरुष एवं महिला दोनों वर्ग में आयोजित की जायेगी।
- 16 / राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के कार्यालय संचालन हेतु जिसमें पात्रता प्रमाण पत्र का परीक्षण, अंक सूचियों का परीक्षण, मेरिट प्रमाण पत्र का वितरण संबंधी कार्य हेतु संचालनालय से अनुभवी कर्मचारियों की कोर कमेटी बनायी जायेगी। उक्त कमेटी में से दो दो सदस्यों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखित कार्य का संपादन करने हेतु भेजा जावेगा।

(सभाजीत यादव)

संचालक
लोक शिक्षण, म.प्र.

पृष्ठांकन क्रमांक / शा0शि10 / एस / 08 / 2012-13 / 232, भोपाल, दिनांक 5 / जुलाई 2012

प्रतिलिपि -

1. आयुक्त, आवासिी विकास विभाग मध्यप्रदेश भोपाल ।
2. अध्यक्ष, खेलकूद एवं सारकृतिक समन्वय समिति लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल ।
3. समस्त संभागीय सहायक संचालक (खेल) कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, मध्यप्रदेश की ओर सूचनार्थ तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित कर निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त निर्देशों का कडाई से पालन किया जाए ।

संचालक

लोक शिक्षण, मध्यप्रदेश